University in News on 13 February 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

आईटी कॉलेज से वापस लिए गए शोधार्थी

लविवि : डिपार्टमेंटल रिसर्च कमेटी का निर्णय, बदले जाएंगे सुपरवाइजर

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि ने आईटी पीजी कॉलेज के शिक्षाशास्त्र विभाग को आवंटित सभी 11 शोधार्थियों को वापस ले लिया है। जल्द ही इन सभी के सुपरवाइजर बदल दिए जाएंगे। आरोप है कि आईटी कॉलेज प्रशासन शोधार्थियों से फीस के नाम पर शुल्क मांग रहा है, जबकि वह पहले ही पीएचडी का शुल्क लखनऊ विवि में जमा कर चुके हैं।

लविवि के शिक्षाशास्त्र विभाग में सोमवार को हुई डीआरसी (डिपार्टमेंटल रिसर्च कमेटी) आपात बैठक में शोधार्थी वापस लेने का निर्णय लिया गया। बैठक में विभाग के सभी 11 शोधार्थियों को अन्य गाइड आवंटित करने की सहमति दी गई। आईटी पीजी कॉलेज में शिक्षाशास्त्र विभाग को आवंटित शोधार्थी पिछले कई माह से अपना सुपरवाइजर बदलने की मांग कर रहे थे। शोधार्थियों का आरोप था कि कॉलेज प्रशासन उनसे पंजीकरण के नाम पर दोगुना शुल्क वसूल रहा है। शुल्क न देने पर उनके शोध कार्य में अड़ंगा लगा रहा है। परेशान शोधार्थियों ने कुलपति को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की थी।

इस संबंध में रजिस्ट्रार विनोद कुमार सिंह ने कॉलेज की प्राचार्य प्रो. विनीता प्रकाश को पत्र भेजकर शोधार्थियों से फीस वसूले जाने की शिकायत पर जवाब तलब किया है।

11 शोधार्थियों ने लगाया था जबरन शुल्क लेने का आरोप

चार अन्य कॉलेजों के शोधार्थी भी बदले जाएंगे... डीआरसी ने खुनखुन जी गर्ल्स कॉलेज के दो, डीएवी कॉलेज दो और एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कॉलेज के तीन शोधार्थियों का सुपरवाइजर बदले जाने की स्वीकृति दी है। इन सभी शोधार्थियों के सुपरवाइजर ने निजी कारणों से छात्रों को पीएचडी कराने में असमर्थता जताई थी। महिला कॉलेज के एक दिव्यांग शोधार्थी का सुपरवाइजर बदले जाने का निर्णय दिया गया।

जल्द आवंटित होंगे नए गाइड

आईटी कॉलेज को आवंटित शोधार्थियों की कई शिकायतें मिली थीं जिसे डीआरसी की बैठक रखा गया। समिति ने कॉलेज के सभी शोधार्थियों को वापस लिए जाने का निर्णय किया है। जल्द ही सभी को दूसरा गाइड आवंटित कर दिया जाएगा।
- प्रो. दिनेश कुमार, डीन-शिक्षा संकाय लविवि

कुलपति ने लिया तैयारियों का जायजा

लखनऊ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को 15-17 फरवरी तक होने वाले अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम (एनएसआईएल) की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कला संकाय प्रांगण पहुंचकर निरीक्षण किया और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों और निदेशकों संग बैठक कर समागम के बारे में विस्तृत चर्चा भी की। (संवाद)

NBT PAGE 4

11 शोधार्थियों के सुपरवाइजर बदलेंगे

■ एनबीटी सं., लखनऊ : आईटी पीजी कॉलेज को दिए गए 11 शोधार्थियों के सुपरवाइजर बदल दिए जाएंगे। इसके अलावा 7 अन्य शोधार्थियों के सुपरवाइजर भी अलग-अलग कारणों से बदले जाएंगे।

एलयू के शिक्षा शास्त्र विभाग में पीएचडी में प्रवेश की अर्हताओं को पूरा करने के बाद विवि ने 11 शोधार्थियों को शोध के लिए आईटी कॉलेज आवंटित किया था। आरोप है कि आईटी कॉलेज प्रशासन ने उनसे कॉलेज का शोधार्थी होने के नाते पंजीकरण शुल्क मांगा। शोधार्थियों ने वीसी प्रो. आलोक कुमार राय को पत्र लिख उनका सुपरवाइजर बदलने की मांग की थी। एलयू के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने आईटी कॉलेज से जवाब मांगा था। शिक्षाशास्त्र विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो.दिनेश कुमार ने बताया कि सोमवार को डीआरसी बुलाई गई थी, जिसमें ये फैसले हुए।

HINDUSTAN PAGE 06

शिखर सम्मेलन की रूपरेखा तय

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2024 के महेनजर मंथन हॉल में बैठक हुई। कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक में शिखर सम्मेलन की रूपरेखा तय कर दी गई है। इसके तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल समापन सत्र को संबोधित करेंगी।

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान और एलयू की ओर से 15 से 17 फरवरी के बीच अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2024 का आयोजन किया जाएगा। जिसकी रूपरेखा तय करने के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सोमवार को एक बैठक की। इसमें आयोजक समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में कुलपति ने सत्रों की तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होंने कला प्रांगण में तैयारियों का जायजा भी लिया।

कुलपति प्रो. राय ने कहा कि सम्मेलन में चर्चाओं को लखनऊ घोषणा में शामिल किया जाएगा। जिसे उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू किया जाएगा।

सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे मुख्यमंत्री योगी

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि 15 फरवरी को शाम छह बजे मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समारोह का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह और प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय रहेंगे। यूजीसी के चेयरमैन प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार, नेशनल एजुकेशनल टेक्नोलॉजी फोरम के चेयरमैन प्रो. अनिल सहस्रबुद्धे और भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चामू कृष्ण शास्त्री का संबोधन होगा। इसके बाद बैठक और तकनीकी सत्र होंगे।

प्रो. आई.बी. सिंह के काम पर व्याख्यान

लखनऊ। पृथ्वी विज्ञान में प्रो. आई.बी. सिंह के योगदान को नकार नहीं सकते। वर्ष 1972 में स्प्रिंगर-वेरलाग की ओर से प्रकाशित पुस्तक 'डिपोजिशन ऑफ सेडिमेंटरी एनवायरनमेंट' भू-विज्ञान में बहुत लोकप्रिय पुस्तक है। जिसका चीनी और रूसी समेत कई भाषाओं में अनुवाद किया गया। ये बातें एलयू के भू-विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ध्रुवसेन सिंह ने कहीं। वह केपी विमल सभागार में प्रो. आईबी सिंह स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने विचार रखे।

आईटी को दिए 11 समेत 18 शोधार्थी के सुपरवाइजर बदले

लखनऊ,संवाददाता। आईटी गर्ल्स पीजी कॉलेज को दिए 11 शोधार्थियों की समस्या का निस्तारण कर दिया गया है। अब उनके सुपरवाइजर बदल दिए जाएंगे। इसके अलावा सात अन्य शोधार्थियों के सुपरवाइजर भी बदलेंगे।

एलयू के शिक्षाशास्त्र विभाग में पीएचडी में प्रवेश की अर्हताओं को पूरा करने के बाद विवि ने 11 शोधार्थियों को शोध के लिए आईटी कॉलेज आवंटित किया था। आरोप है कि आईटी कॉलेज ने पंजीकरण शुल्क मांगा। शोधार्थियों ने विवि प्रशासन से शिकायत की थी। एलयू के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने आईटी कॉलेज से जवाब मांगा था। शिक्षाशास्त्र विभाग के संकायाध्यक्ष प्रो. दिनेश ने बताया कि आईटी के 11 व सात अन्य शोधार्थियों के सुपरवाइजर बदले हैं।

07 दूसरे शोधार्थियों के सुपरवाइजर भी बदले

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

समुद्री अनुक्रमों में तलछटी कार्बनिक पदार्थों की भूमिका पर चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग ने केपी विमल सभागार में प्रो.आई.बी.सिंह स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें बीएसआईपी, जीएसआई, आरएसएसी के वैज्ञानिकों और गणमान्य व्यक्तियों, लविवि के भूविज्ञान विभाग के पूर्व और वर्तमान संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों ने भाग लिया। स्मारक व्याख्यान बीएसआईपी की पूर्व निदेशक डॉ.वंदना प्रसाद द्वारा समुद्र स्तर के उतार-चढ़ाव को समझने में उथले समुद्री अनुक्रमों में तलछटी कार्बनिक पदार्थों की भूमिका विषय पर दिया गया। विभाग के प्रमुख प्रो.ध्रुव सेन सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया और पृथ्वी विज्ञान में प्रो.आई.बी.सिंह के योगदान का वर्णन किया। 1972 में स्प्रिंगर-वेरलाग द्वारा प्रकाशित उनकी पुस्तक डिपोजिशन ऑफ सेडिमेंटरी एनवायरनमेंट भू-विज्ञान में एक बहुत लोकप्रिय पुस्तक है, जिसका बाद में विभिन्न भाषाओं (चीनी और रूसी) में अनुवाद किया गया। प्रो.सिंह ने बताया कि प्रो.आई.बी.सिंह भू-विज्ञान विभाग,लविवि के पूर्व विभाग-प्रमुख थे, उन्होंने भारत के हर हिस्से और विभिन्न युगों की सभी चट्टानों पर काम किया है। इन दिनों गंगा के मैदान के बारे में जो भी जानकारी हमारे पास प्राप्त है, उसका श्रेय प्रो. आई.बी. सिंह को जाता है। पंजाब विश्वविद्यालय के भूविज्ञान के पूर्व-प्रमुख प्रो.अशोक साहनी ने प्रो.आईबी के साथ पिछले छह दशकों के दौरान का अपना जुड़ाव साझा किया। प्रो.साहनी ने कहा कि प्रो.सिंह ने प्रीकैम्ब्रियन से लेकर ह्वल के भूवैज्ञानिक अपतटीय द्वीप) को शामिल किया गया। उन्होंने गंगा के मैदान में अपने कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि प्रो.सिंह बहुत कम उम्र में अपने समय के वैज्ञानिक समुदाय से बहुत ही अलग और तार्किक तरीके से सवाल करते थे और अपने समय के उल्टी-धारा के रूप में जाने जाते थे, जिसे बाद में भू-वैज्ञानिकों ने स्वीकार कर लिया। भू-विज्ञान विभाग के पूर्व-प्रमुख प्रो.एमपी सिंह ने साझा किया कि प्रो.सिंह ही वह व्यक्ति थे जिन्होंने लविवि के भूविज्ञान विभाग में अनुसंधान संस्कृति की शुरुआत की थी।

LOKSATYA PAGE 3

अपने समय के 'उल्टी-धारा' के रूप में जाने जाते थे प्रो. आई.बी.

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग ने सोमवार को दोपहर 12 बजे के.पी विमल सभागार. में प्रो. आई.बी. सिंह स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें बीएसआईपी, जीएसआई, आरएसएसी के वैज्ञानिकों और गणमान्य व्यक्तियों, लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के पूर्व और वर्तमान संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों ने भाग लिया। स्मारक व्याख्यान बीएसआईपी की पूर्व निदेशक डॉ. वंदना प्रसाद द्वारा 'समुद्र स्तर के उतार-चढ़ाव को समझने में उथले समुद्री अनुक्रमों में तलछटी कार्बनिक पदार्थों की भूमिका' विषय पर दिया गया। विभाग के प्रमुख प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया और पृथ्वी विज्ञान में प्रो. आई.बी. सिंह के योगदान का वर्णन किया। 1972 में स्प्रिंगर-वेरलाग द्वारा प्रकाशित उनकी पुस्तक 'डिपोजिशन ऑफ सेडिमेंटरी एनवायरनमेंट' भू-विज्ञान में एक बहुत लोकप्रिय पुस्तक है, जिसका बाद में विभिन्न भाषाओं (चीनी और रूसी) में अनुवाद किया गया। प्रो. सिंह ने बताया कि प्रो. आई.बी. सिंह भू-विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व विभाग-प्रमुख थे, उन्होंने भारत के हर हिस्से और विभिन्न युगों की सभी चट्टानों पर काम किया है। इन

गंगा के मैदानों की दी थी जानकारी

लविवि के भू-विज्ञान विभाग में व्याख्यान के दौरान मौजूद लोग। संवाद

लखनऊ। लविवि के भू-विज्ञान विभाग में सोमवार को भू वैज्ञानिक प्रो. आईबी सिंह की स्मृति में व्याख्यान हुआ। बीएसआईपी और जीएसआई व आरएसएसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थिति रहे। भू विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. ध्रुवसेन सिंह ने कहा कि प्रो. आईबी सिंह ने भारत के हर हिस्से और विभिन्न युगों की सभी चट्टानों पर काम किया है। इन दिनों गंगा के मैदान के बारे में जो भी जानकारी हमारे पास प्राप्त है, उसका श्रेय उन्हीं को जाता है। बीएसआईपी की पूर्व निदेशक डॉ. वंदना प्रसाद ने ने समुद्र स्तर के उतार-चढ़ाव को समझने में उथले समुद्री अनुक्रमों में तलछटी कार्बनिक पदार्थों की भूमिका, विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. अशोक साहनी समेत विभाग के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। (संवाद)

AMRIT VICHAR PAGE 4

तैयारी का जायजा लेते लविवि के कुलपति आलोक कुमार राय, साथ में अन्य। अमृत विचार

समागम की तैयारियों को लेकर लविवि में बैठक

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व में समागम की तैयारियों को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय में एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई। इस दौरान तैयारियों की समीक्षा की गई। 15 फरवरी से शुरू होने वाले कार्यक्रम को लेकर विभागाध्यक्षों से कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने तमाम सी जानकारी हासिल कीं, फिर दिशा निर्देश भी दिये। बाद में कला संकाय सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। बता दें कि 15 से 17 फरवरी तक आयोजित होने वाले कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों के विश्वविद्यालयों के कुलपति, विशेषज्ञ, प्रवक्ता और शोधार्थी सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य सम्मिलित होंगे।

JAGRAN CITY PAGE III

'समागम-2024' में अपनी उपलब्धियां भी दिखा सकेंगे विभाग'

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 15 से 17 फरवरी तक होने वाले अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2024 तैयारियां जोरों पर हैं। उद्घाटन सत्र के लिए कला संकाय प्रांगण में भव्य पंडाल तैयार किया जा रहा है। सोमवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंथन हाल में संकाय एवं विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूप रेखा और तैयारियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि समागम के अवसर पर विभाग अपने यहां अपनी उपलब्धियां भी दिखाने के लिए लगा सकते हैं।

बैठक के बाद कुलपति समागम के उद्घाटन के लिए कला संकाय प्रांगण में बन रहे भव्य पंडाल का निरीक्षण करने पहुंचे। समागम-2024 का उद्घाटन 15 फरवरी को शाम छह बजे मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री राजकुमार रंजन सिंह और उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय करेंगे। इसमें उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी और विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर कैलश चंद्र शर्मा व लवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय उपस्थित रहेंगे। समागम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के सफल कार्यान्वयन और भारत में उच्च शिक्षा को बढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा होगी। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 17 फरवरी को सुबह 10 से 11.30 बजे के सत्र में डा. संदीप गोयल के स्थान पर प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल सहभागिता करेंगे।

यूजीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार, नेशनल एजुकेशनल टेक्नोलाजी फोरम के चेयरमैन अनिल सहस्रबुद्धे, पद्मश्री पुरस्कार विजेता चामू कृष्ण शास्त्री सुबह 10 से 11.30 बजे के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसमें विभिन्न इंटरैक्टिव सत्र होंगे। दोपहर 12 से 1.30 बजे तक हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस (एचसीआई) के प्रमुख के साथ बैठक होगी। दोपहर 1:30 से दो बजे के बीच डिकोडिंग मल्टी डिसीप्लनरी एजुकेशन सत्र में वक्ता के रूप में आईयूएसी के निदेशक प्रो. अविनाश चंद्र पांडेय, एफएलएएमई यूनिवर्सिटी से प्रो. युगांक गोयल और एनआईटीटीई एजुकेशन ट्रस्ट के निदेशक अकादमिक प्रो. संदीप शास्त्री होंगे। चेयरपर्सन राज्यसभा सांसद प्रो. दिनेश शर्मा रहेंगे। 2.30 से शाम चार बजे तक तक उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग और मान्यता सत्र को नैक के निदेशक प्रो. गणेशन कन्नाबिरन और आइआइएम नागपुर के निदेशक प्रो. भीमराया मैत्री संबोधित करेंगे। चेयरपर्सन केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब के कुलपति प्रो. राघवेंद्र पी. तिवारी रहेंगे। 17 फरवरी को एक उद्योग-संस्थागत साझेदारी सत्र होगा, जो समागम में दिन का मुख्य निष्कर्ष होगा।

समागम की तैयारियों का जायजा लेते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय • सौजन्य : लवि

18 शोधार्थियों के शोध पर्यवेक्षक निरस्त

जासं, लखनऊ : तीन महीने से अधिक समय से लखनऊ विश्वविद्यालय और आइटी कालेज के चक्कर लगा रहे शोधार्थियों को अब विश्वविद्यालय ने बड़ी राहत दी है। सोमवार को लवि के शिक्षा विभाग में हेड प्रो. दिनेश कुमार की अध्यक्षता में हुई विभागीय शोध समिति (डीआरसी) की बैठक में 18 शोधार्थियों के पुराने शोध पर्यवेक्षक निरस्त कर दिए गए। इनमें 11 ऐसे शोधार्थी भी शामिल है, जिनसे आईटी कालेज प्रशासन फिर से पीएच.डी. की फीस जमा कराने पर अड़ा था। अब सभी 18 शोध छात्र-छात्राओं को फरवरी के अंत तक नए शोध पर्यवेक्षक आवंटित कर दिए जाएंगे। लवि ने बीते तीन व चार नंबर को सत्र 2021-22 के पीएच.डी. प्रवेश के तहत शोधार्थियों को विभिन्न कालेजों में शोध पर्यवेक्षक आवंटित किए गए थे। इनमें 11 शोधार्थी आईटी कालेज में भेजे गए। इन सभी का आरोप था कि कालेज दोबारा फीस जमा कराने की जिद पर अड़ा था। इसको लेकर तीन महीने में पीएच. डी. शोध कार्य शुरू नहीं कराया। शोधार्थी लगातार विश्वविद्यालय और कालेज में चक्कर लगा रहे थे। वहीं कुछ कालेजों में शोध पर्यवेक्षकों ने पीएच.डी. कराने में असमर्थता जता दी। विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि खुन खुन जी गर्ल्स पीजी कालेज में एक शिक्षिका ने पर्यवेक्षक बनने में असमर्थता जताई। यहां तीन शोधार्थी आवंटित किए गए थे। डीएवी पीजी कालेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. सुधांशु सिन्हा पद से त्यागपत्र दे चुके हैं। एपी सेन गर्ल्स मेमोरियल कालेज में शिक्षिका मंजू ने रिटायमेंट होने की वजह से, महिला कालेज में रजना अग्रवाल ने भी अपनी असमर्थता जता दी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

कार्बनिक पदार्थों की भूमिका पर व्याख्यान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के भू- विज्ञान विभाग की ओर से कार्बनिक पदार्थों की भूमिका पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भू वैज्ञानिकों ने विषय संबंधित अपने विचार रखे। शोधार्थियों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किये गए।

लविवि के भू विज्ञान विभाग द्वारा व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें बीएसआईपी, जीएसआई, आरएसएसी के वैज्ञानिक सम्मिलित हुए। बीएसआईपी की पूर्व निदेशक डॉ. वंदना प्रसाद द्वारा समुद्र स्तर के उतार-चढ़ाव को समझने में उथले समुद्री अनुक्रमों में तलछटी कार्बनिक पदार्थों की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। विभाग प्रमुख प्रोफेसर ध्रुव सेन सिंह ने पृथ्वी विज्ञान से जुड़े प्रमुख विषयों का सार साझा किया गया। इस अवसर पर शोधार्थियों द्वारा विषयवार प्रस्तुतियां भी कीं। इस अवसर पर प्रो. विभूति राय, प्रो. रामेश्वर बाली सहित काफी संख्या में शोधार्थी उपस्थित रहे।

पूर्व विभाग प्रमुख की जानकारियां हुईं साझा

भूविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ध्रुव सेन सिंह ने बताया कि पूर्व विभाग प्रमुख प्रो. आईबी सिंह ने भारत के हर हिस्से और विभिन्न युगों की सभी चट्टानों पर काम किया है। इन दिनों गंगा के मैदान के बारे में जो भी जानकारी हमारे पास प्राप्त है, उसका श्रेय प्रो. सिंह को जाता है।

नदी, समुद्री सीमांत और अपतटीय द्वीप सम्मलित

पंजाब विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अशोक साहनी ने प्राकृतिक प्रक्रियाओं नदी, समुद्री सीमांत और अपतटीय द्वीपों को जोड़कर गंगा मैदान में कराये जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। शोधार्थियों द्वारा पूछे गए तार्किक प्रश्नों के आधार पर उल्टी धारा के बारे में जानकारी दी।

TOI PAGE 3

LU summit to see top educationists discuss ways to boost higher education

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Heads of top academic bodies of the country will deliberate on various higher education aspects during the National Summit of Institutional Leaders set to be held at Lucknow University from February 15 to 17.

Chief Minister Yogi Adityanath will inaugurate the three-day summit that is being jointly organised by LU, Vidya Bharti Uchcha Shiksha Sansthan and the department of higher education.

The inauguration session will witness the presence of minister of state for education Rajkumar Ranjan Singh, minister of higher education Yogendra Upadhyay and others.

The second day will witness the address on higher education by UGC chairman Prof M Jagadesh Kumar, chairperson of the All India Council for Technical Education (AICTE) Prof Anil D Sahasrabudhe and chairman of high powered committee for the promotion of Indian languages Padma Shri Chamu Krishna Shastry.

Director of National Assessment and Accreditation Council (NAAC) Prof Ganesan Kannabiran, IIM Nagpur director Prof Bhimraya Metri and vice-chancellor of Central University of Punjab Prof Raghavendra P Tiwari will be speaking about ranking and accreditation of higher education institutions while IGNOU vice chancellor Prof Nageshwar Rao, Chamu Krishna Shastry and IIT Kanpur faculty Prof Avinash Agarwal will be deliberating on promotion and integration of Indian languages.

The first day of the summit will also witness a discussion on research and innovation for holistic education in which eminent personalities like IIM Ahmedabad director Prof Bharat Bhaskar, member secretary of the Indian Council of Social Science Research Dhananjay Singh and Cotton University (Assam) vice-chancellor Ramesh Chandra Deka.

"This gathering will serve as a unique platform for the cross-fertilization of ideas and sharing of institutional experiences related to national education policy implementation. The summit is designed to be outcomes-oriented, with the goal of elevating the status of higher education in India," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He said although specialized educational institutes are performing well, there is a need to gather knowledge for the development of a multidisciplinary approach.

"In this summit, all institutes will work cohesively, with LU playing a pivotal role. The summit intends to facilitate the exchange of ideas and institutional experiences related to NEP implementation, fostering collaboration among diverse educational institutions," he added.

INNOVATION FOR HOLISTIC EDU

Prominent persons who will attend national summit at LU:

UGC chairperson Prof M Jagadesh Kumar

AICTE chairperson Prof Anil D Sahasrabudhe

Director of IIM-Nagpur Prof Bhimaraya Metri

Member secy of ICSSR Dhananjay Singh

Head of panel for promotion of Indian languages CK Shastry

VC of Central Univ of Punjab Prof RP Tiwari

Former LU professor's work on Ganga plains lauded

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The work of Lucknow University's former geology head and renowned geologist late Prof IB Singh on Ganga Plains was lauded by experts during an event on Monday.

Addressing the Prof IB Singh's memorial lecture, former director of Birbal Sahni Institute of Palaeosciences Vandan Prasad lauded his pathbreaking role in the field.

The topic was "Role of Sedimentary organic matter in shallow marine sequences in deciphering Sea level fluctuations".

"Prof Singh's book Deposition of Sedimentary Environment published by Springer-Verlag in 1972, which was later translated into Chinese and Russian is very popular in Geology. Prof Singh has worked on every part of India and all rocks of different ages. Whatever information we have on Ganga Plain these days, credit goes to him," said LU geology department head Prof Dhruvsen Singh.

Former geology head of Panjab University Prof Ashok Sahini shared his association with Singh for last six decades.

THE PIONEER PAGE 3

LU to introduce 1-year PG course under NEP

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University will be implementing a one-year PG programme under the New Education Policy 2020. Vice-Chancellor Prof Alok Rai said that the NEP implementation was progressing as per plans.

"We had started the NEP implementation with nine co-curricular and nine vocational courses. Last year, the number stood at 35 vocational and 28 co-curricular courses. We are gradually improving while taking care of the minutest things and looking into the requirements of students, and taking into consideration the variety of students," Prof Rai said.

"The flexible entry/exit has already been implemented. This year itself, we got a couple of students who opted out in UG. The figure may be small but the facility is now being availed by students. Credit-based curriculum has already been designed in the meantime," he said.

"We started our UG programme in 2021-22, so the batch that is going to come out in 2025 will avail of this one-year PG course. It is for them only. There will be certain conditions too for availing of this course, and the student must have a cumulative grade point average (CGPA) of 7.5," he pointed out.

LU is likely to be the first university to implement this PG course. "The four year UG course was not implemented in many of the central universities when we we started it in 2021-22. This year we will have students who opt for the fourth year of UG for the first time. In 2025, these students will pass and become eligible for the one-year PG programme. For this, we are in the final lap because the entire syllabus will have to be restructured," he added.

Regarding the challenges EP implementation, he said the issue was its acceptance amongst the various stakeholders.

"Since this is a new thing, not many people are aware. We will have to see what the fate of this one-year PG programme is. The number of students opting for the fourth year UG programme will determine the fate of this one-year PG programme," he added.